धरातल पर उतरेंगी 62,479 करोड़ की परियोजनाएं

जीआइएस-23 के दौरान रियल एस्टेट सेक्टर में 1.50 लाख करोड़ रुपये निवेश के हुए थे 863 एमओयू

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी

अजय जायसवाल • लखनऊ

- सर्वाधिक 22,957 करोड़ की 114 परियोजनाएं लखनऊ की
- 9,217 करोड़ के 45 प्रोजेक्ट हैं गाजियाबाद के

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के साथ ही रियल एस्टेट सेक्टर की 62 हजार करोड़ रुपये से अधिक की 783 परियोजनाएं धरातल पर उतरने लगेंगी। पिछले वर्ष यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-23 के दौरान रियल एस्टेट सेक्टर में 1.50 लाख करोड़ के निवेश के 863 एमओयू हुए थे। निजी निवेश से राज्य के प्रमुख शहरों में बड़ी संख्या में अब टाउनशिप तो विकसित होंगे ही माल-मल्टीप्लेक्स व होटल भी बनते दिखाई देंगे।

योगी सरकार की आवास एवं शहरी नियोजन से संबंधित व्यावहारिक नीतियों को देखते हुए जीआइएस-23 में देश-दुनिया के निवेशकों ने राज्य के 59 जिलों में रियल एस्टेट सेक्टर की परियोजनाओं में निवेश करने में दिलचस्पी दिखाई थी। खासतौर से लखनऊ, गाजियाबाद, अयोध्या, कानपुर नगर, वाराणसी, प्रयागराज जैसे शहरों में ही एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश के एमओयू हुए थे। अब 19 फरवरी को होने जा रहे जीबीसी 4.0 में 62,479.75 करोड़ रुपये की रियल एस्टेट सेक्टर की 783 परियोजनाएं धरातल पर उतरने को तैयार हैं। इनमें 500 करोड़ रुपये से अधिक की 19 जिलों की ही 638 परियोजनाएं हैं।

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के अपर मुख्य सचिव नितिन रमेश गोकर्ण ने बताया कि जीआइएस-23 में निजी निवेशकों ने रियल एस्टेट सेक्टर में डेढ़ लाख करोड़ रुपये निवेश करने के लिए 863 एमओयू किए थे। इनमें से अब तक 62 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की 783 परियोजनाओं के मानचित्र आदि स्वीकृत किए जा चुके हैं। ऐसे में जीबीसी 4.0 में शामिल सभी परियोजनाओं का धरातल पर काम भी शुरू हो जाएगा।

गोकर्ण के मुताबिक कुल परियोजनाओं में से 90 प्रतिशत टाउनशिप की ही हैं। शेष माल-मल्टीप्लेक्स, होटल आदि बनाने की हैं। अपर मुख्य सचिव का मानना है कि शहरों में बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए खासतौर से टाउनशिप विकसित करने की और भी जिन परियोजनाओं के लिए पिछले वर्ष एमओयू हुए थे वे भी जल्द शुरू होंगी। धरातल पर उतरने वाली परियोजनाओं में 22,956.68 करोड़ रुपये की सर्वाधिक 114 राजधानी की ही हैं। दूसरे नंबर पर 9,216.97 करोड़ रुपये निवेश के 45 प्रोजेक्ट गाजियाबाद के हैं।

रियल एस्टेट सेक्टर के प्रमुख निवेशक

रियल एस्टेट सेक्टर की छोटी-बड़ी परियोजनाओं में निवेश करने वालों की लंबी सूची है, लेकिन जिन प्रमुख निवेशकों की विभिन्न शहरों में परियोजनाएं धरातल पर उतरने वाली हैं उनमें द हाउस आफ अभिनंदन लोढ़ा (अयोध्या), ओमेक्स (लखनऊ, प्रयागराज), शिप्रा एस्टेट (लखनऊ), प्रतीक रियलटर्स (गाजियाबाद), ऋषिता डेवलपर्स (लखनऊ), हमसफर डीलर (लखनऊ), प्रशांत इन्फ्रास्ट्रक्चर (गाजियाबाद), गैलेंट लाइफस्पेस डेवलपर्स (गोरखपुर), एक्सेरियन डेवलपर्स (लखनऊ), एमआइबी होम्स (लखनऊ), प्रिव्यू बिल्डर्स (लखनऊ), स्वास्तिक मल्टीट्रेड (लखनऊ), यूरेका बिल्डर्स (हापुड़), रोमा बिल्डर्स एवं प्रमोटर्स (वाराणसी) और अंश निर्माण प्राइवेट लिमिटेड की वाराणसी में टाउनशिप परियोजना है।

रामनगरी में 3787 करोड़ की 30 रियल एस्टेट परियोजनाएं

रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश के मामले में कई बड़े शहरों को पीछे छोड़ते हुए रामनगरी अयोध्या तीसरे पायदान पर है। वैसे तो अयोध्या में पिछले वर्ष निजी निवेशकों ने 14,747 करोड़ रुपये निवेश के 19 एमओयू किए थे लेकिन अभी धरातल पर 3,787 करोड़ रुपये की 30 परियोजनाएं ही उतरने जा रही हैं। माना जा रहा है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद जिस तरह से देश-दुनिया से श्रद्धालु व पर्यटक अयोध्या पहुंच रहे हैं उससे रामनगरी में अब तेजी से आवासीय मांग भी बढ़ेगी। ऐसे में अयोध्या के रियल एस्टेट सेक्टर में निवेशक कहीं ज्यादा निवेश करने में दिलचस्पी दिखाएंगे।

जीबीसी 4.0 में शामिल प्रमुख शहरों की परियोजना

शहर	परियोजना	निवेश (करोड़ रुपये में)
लखनऊ	114	22,956.68
गाजियाबाद	45	9,216.97
अयोध्या	30	3,787.00
मुरादाबाद	46	3,321.92
वाराणसी	73	3,020.32
झांसी	41	2,789.65
प्रयागराज	23	2,166.00
शाहजहांपुर	03	2,150.00
मेरठ	41	1,939.19
मथुरा	29	1,641.13
संभल	01	1,516.00
कानपुर नगर	29	1,260.38
अलीगढ़	17	1,307.00
बरेली	40	986.35
गोरखपुर	07	882.00
हापुड़	51	859.00
बाराबंकी	16	785.48
आगरा	31	681.25
संतकबीरनगर	01	500.00